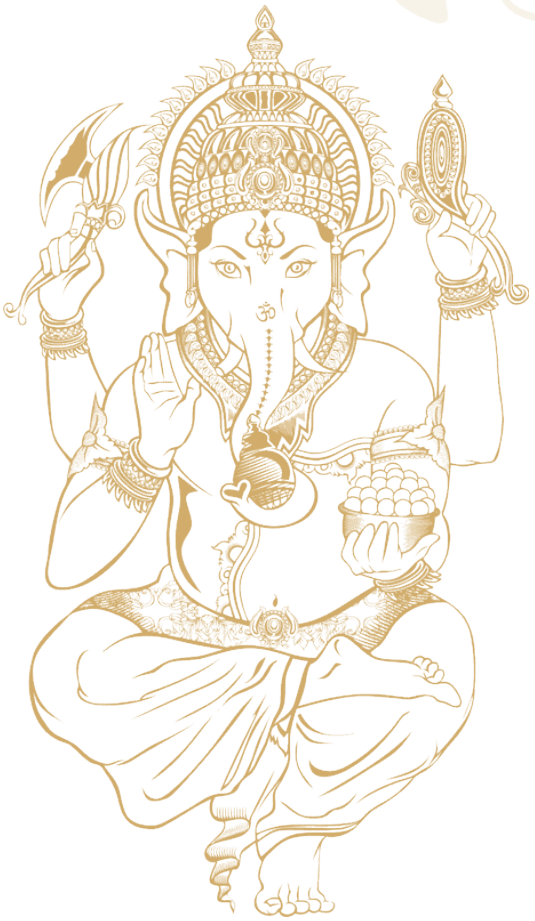

Aniash

Muskaan

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121627109

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
05/02/2000	जन्म तिथि	16/02/2001
शनिवार	दिन	शुक्रवार
घंटे 16:20:00	जन्म समय	10:32:00 घंटे
घटी 22:58:16	जन्म समय(घटी)	08:49:20 घटी
India	देश	India
Kishangarh	स्थान	Beawar
27:52:00 उत्तर	अक्षांश	26:02:00 उत्तर
76:41:00 पूर्व	रेखांश	74:02:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:23:16	स्थानिक संस्कार	-00:33:52 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
07:08:41	सूर्योदय	07:08:53
18:06:04	सूर्यास्त	18:27:19
23:51:17	चित्रपक्षीय अयनांश	23:52:06

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
चन्द्र 1वर्ष 8मा 20दि	00:14:09	कर्क	लग्न	मेष	10:41:03	शनि 0वर्ष 11मा 23दि
राहु	22:04:55	मक	सूर्य	कुंभ	03:43:01	शुक्र
26/10/2008	21:02:11	मक	चंद्र	वृश्चि	15:58:44	09/02/2026
27/10/2026	01:06:13	मीन	मंगल	वृश्चि	06:50:57	09/02/2046
राहु 09/07/2011	06:20:00	कुंभ	बुध व	मक	26:50:29	शुक्र 10/06/2029
गुरु 02/12/2013	04:42:05	मेष	गुरु	वृष	08:07:10	सूर्य 11/06/2030
शनि 08/10/2016	20:26:01	धनु	शुक्र	मीन	16:22:22	चन्द्र 09/02/2032
बुध 27/04/2019	16:58:44	मेष	शनि	वृष	00:39:05	मंगल 11/04/2033
केतु 15/05/2020	09:53:22	कर्क व	राहु	मिथु	20:50:56	राहु 10/04/2036
शुक्र 16/05/2023	09:53:22	मक व	केतु	धनु	20:50:56	गुरु 10/12/2038
सूर्य 08/04/2024	22:53:40	मक	हर्ष	मक	27:20:12	शनि 09/02/2042
चन्द्र 08/10/2025	10:38:43	मक	नेप	मक	13:10:38	बुध 10/12/2044
मंगल 27/10/2026	18:36:59	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	21:09:30	केतु 09/02/2046

लग्न-चलित

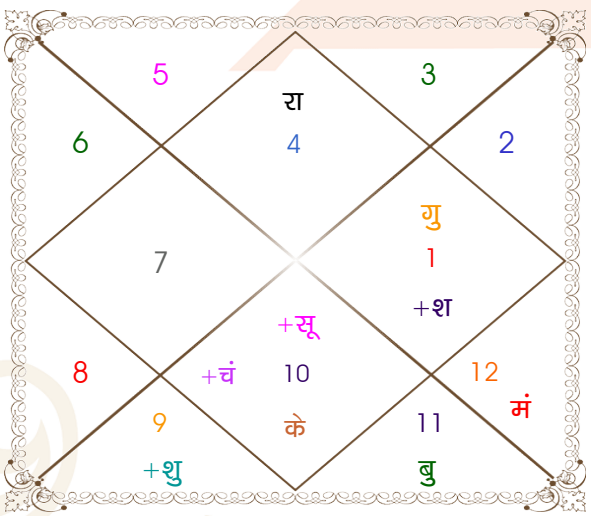

लग्न-चलित

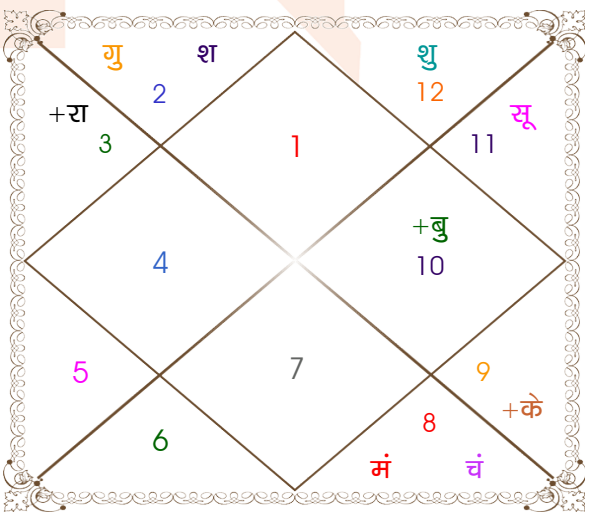

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	विप्र	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	कीटक	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	साधक	प्रत्यारि	3	1.50	--	भाग्य
योनि	वानर	मृग	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शनि	मंगल	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	देव	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मकर	वृश्चिक	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	26.00		

।दर्पी का वर्ग मार्जार है तथा डनेंद का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गों में परस्पर मित्रता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार ।दर्पी और डनेंद का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

।दर्पी मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में नवम् भाव में स्थित है।

डनेंद मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल डनेंद कि कुण्डली में स्वराशि में है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं चन्द्र डनेंद कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

।दर्पी तथा डनेंद में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।